

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाडी



**Examination Scheme
&
Syllabus
For
M.A. HINDI UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
w.e.f. Acadmic Session 2019-20**

INDIRA GANDHI UNIVERSITY, MEERPUR, REWARI
M.A. HINDI

Semester-I

Credits= 28

Marks=700

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical /Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	HND-1119	आधुनिक हिंदी कविता-1 (1857 से 1936)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-1120	हिन्दी कहानी	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-1121	हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-1122	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-1123	कम्प्यूटर का हिंदी में अनुप्रयोग	C.C.	2	4	6	2	2	4	60	40	--	100
6	HND-1124 1124(i) 1124(ii)	(i) साहित्य की समझ (ii) अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	D.C.E.C	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
7	HND-1125 1125(i) 1125(ii)	(i)मूल्य शिक्षा (Value Education) (ii)Communication Skill and Personality Development	F.E.C.	2	--	2	2	--	2	40	10	--	50
8	HND-1126	संगोष्ठी (Seminar)	C.C.	--	01	--	--	--	1	--	--	--	25
9	HND-1127	स्वाध्याय (Self Study Paper)	C.C.	--	01	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				24	06	28	24	2	28	500	150	--	700

F.E.C. = Foundation Course

C.C. = Core Course

D.C.E. C.= Discipline Centric Elective Course

**Scheme of Examination for
M.A. HINDI**

Semester-II

Credits= 26

Marks=650

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical/ Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	HND-2119	आधुनिक हिंदी कविता-2 (1936 से 1967)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-2120	हिन्दी उपन्यास	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-2121	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-2122	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-2123	जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
6	HND-2124 2124(i) 2124(ii)	निम्नलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ (ii) प्रवासी साहित्य	D.C.E.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
7	HND-2125	संगोष्ठी (Seminar)	C.C.	--	1		--		1	--	--		25
8	HND-2126	स्वाध्याय (Self Study Paper)	C.C.	--	1	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				24	2	24	24	--	26	480	120	--	650

C.C. = Core Course

D.C.E.C. = Discipline Centric Elective Course

**Scheme of Examination for
M.A. HINDI**

Semester-III

Credits= 25

Marks=650

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical/ Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical /Project	
1	HND-3119	समकालीन हिंदी कविता-3 (1967 से अद्यतन)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-3120	कथेतर गद्य विधाएं	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-3121	भारतीय काव्यशास्त्र	C. C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-3122	आधुनिक भारतीय साहित्य	C. C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-3123	विशिष्ट रचनाकार : निम्नलिखित रचनाकारों में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा 3123(i) कबीरदास 3123(ii) तुलसीदास 3123(iii) सूरदास 3123(iv) मीराबाई	D.C.E.C	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
6	HND-3124	संप्रेषण कौशल (Open Elective Course)	O.E.C	3	--	3	3	--	3	80	20	--	100
7	HND-3125	संगोष्ठी (Seminar)	C.C.	--	1		--	--	1	--	--	--	25
8	HND-3126	स्वाध्याय (Self Study Paper)	C.C.	--	1	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				23	2	23	23	--	25	480	120	--	650

C.C. = Core Course

O.E.C. = Open Elective Course

D.C.E.C. = Discipline Centric Elective Course

**Scheme of Examination for
M.A. HINDI
Credits= 26**

Semester-IV

Marks=650

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical/ Tutorial	Total	Theory	Practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	HND-4119	आदिकालीन और मध्यकालीन कविता	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
2	HND-4120	अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि)	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
3	HND-4121	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
4	HND-4122	हिंदी आलोचना	C.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
5	HND-4123 4123(i) 4123(ii)	(i) समकालीन साहित्य चिंतन(मार्क्सवाद से विखण्डनवाद तक की विचारधाराओं केसंदर्भ में) (ii) हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएं,पत्रिकाएं,आन्दोलन,केन्द्र)	D.C.E.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
6	HND-4124 4124(i) 4124(ii) 4124(iii) 4124(iv) 4124(v)	विशिष्ट रचनाकार : निम्नलिखित रचनाकारों में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा.प्रेमचन्द (i), जयशंकर प्रसाद (ii) निराला (iii), अज्ञेय (iv) ,मुक्तिबोध (v) (कोई एक)	D.C.E.C.	4	--	4	4	--	4	80	20	--	100
7	HND-4125	संगोष्ठी (Seminar)	C.C.	--	1	--	--	--	1	--	--	--	25
8	HND-4126	स्वाध्याय (Self Study Paper)	C.C.	--	1	--	--	--	1	--	--	--	25
Total				24	2	24	24	--	26	480	120	--	650

C.C. = Core Course

D.C.E.C. = Discipline Centric Elective Course

Duration: 4 Semesters (2 years)

Total Credit : 105

Total Marks : 2650

GENERAL INSTRUCTIONS

I. SEMINAR/ JOURNAL CLUB:

Maximum Marks-25

Every candidate will have to deliver a seminar of 30 minutes duration on a topic (not from the syllabus) which will be chosen by him / her in consultation with the teacher of the department. The seminar will be delivered before the students and teachers of the department. A three member committee (one coordinator and two teachers of the department of different branches) duly approved by the departmental council will be constituted to evaluate the seminar. The following factors will be taken into consideration while evaluating the candidate. Distribution of marks will be as follows:

1. Presentation	10 marks
2. Depth of the subject matter	10 marks
3. Answers to the questions	05 marks

II. SELF-STUDY PAPER:

Maximum Marks-25

Objective: This course intends to create habits of reading books and to develop writing skills in a manner of creativity and originality. The students are to emphasize upon his/her own ideas/words which he/she has learnt from different books, journals and newspapers and deliberate the same by adopting different ways of communication techniques and adopting time scheduling techniques in their respective fields. This course aims:

- To motivate the students for innovative research and analytical work
- To inculcate the habit of self study and comprehension
- To infuse the sense of historical background of the problems
- To assess the intensity of originality and creativity of the students

Students are guided to select topic of their own interest in the given area in consultation with their teachers/Incharge/Resource Person.

Instructions for Students

1. Choose the topic of your interest in the given areas and if necessary, seek the help of your teacher.
2. Select a suitable title for the paper.
3. You are expected to be creative and original in your approach.
4. Submit your paper in two typed copies of A4 size 5-6 pages (both sides in 1.5 line spaces in Times New Roman Font size 12).
5. Organize the paper in three broad steps:
 - (a) Introduction
 - (b) Main Body
 - (c) Conclusion
6. Use headings and sub-headings.
7. Use graphics wherever necessary.
8. Give a list of books/references cited/used.
9. The external examiner will evaluate the self-study paper in two ways i.e. Evaluation (15 Marks) and Viva-Voce (10 marks).

Distribution of Marks

- | | |
|--|-----------------|
| 1.The evaluation is divided into different segments as under : | 15 Marks |
| (i) Selection of the topic | - 3 Marks |
| (ii) Logical organization of the subject matter | - 5 Marks |
| (iii) Conclusion | - 5 Marks |
| (iv) References | - 2 Marks |

- 2.Viva-Voce: **10 Marks**

The external examiner will hold Viva-Voce based on the contents of the student's Self Study Paper focusing upon the description by the candidate.

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

HND-1119

आधुनिक हिंदी काव्य—1(1857 से 1936)

पूर्णांक : 100

लिखित : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

समय : 3 घण्टे

नोट:—

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई-1

?

आधुनिकता की अवधारणा और हिंदी कविता में आधुनिकता
हिन्दी नवजागरण
भारतेन्दु युगीन हिंदी कविता
राष्ट्रीय काव्य धारा

इकाई-2

छायावाद; की पृष्ठभूमि
छायावाद की प्रवृत्तियाँ
छायावाद के प्रमुख कवि
छायावादोत्तर काव्य

इकाई-3

निर्धारित कविताएँ
भारतेन्दु हरिश्चंद्र: निज भाषा उन्नति अहै
मैथिलीशरण गुप्त: भारतभारती(वर्तमानखंड)
बालकृष्ण शर्मा नवीन: हम अनिकेतन
माखनलाल चतुर्वेदी: कैदी और कोकिला

इकाई-4

निर्धारित कविताएँ
जयशंकर प्रसाद :
कामायनी (श्रद्धा, आन्नद सर्ग)
निराला : राम की शक्तिपूजा
सुमित्रानंदन पंत- परिवर्तन, अनामिका के कवि के प्रति

महादेवी वर्मा—पंथ रहने दो अपरिचित, क्या पूजा क्या अर्चन रे

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास—(खण्ड—8,9,10)— नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
आधुनिकता बोध— रामधारी सिंह दिनकर— नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य— वीर भारत तलवार— किताब घर नई दिल्ली ।
छायावाद— नामवर सिंह — राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
निराला की साहित्य साधना—1,2,3— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास— नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
निराला : एक आत्महंता आस्था— दूधनाथ सिंह, लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।
कामायनी: एक पुनर्विचार— मुक्तिबोध— राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।
कामायनी: एक पुनर्मूल्यांकन— रामस्वरूप चतुर्वेदी— लोकभारती इलाहाबाद ।
महादेवी वर्मा— दूधनाथ सिंह— राजकमल, नई दिल्ली ।
पंत और पल्लव— सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'—गंगा ग्रंथागार, लखनऊ ।
काव्यकला एवं अन्य निबंध— जयशंकर प्रसाद, लोकभारती , इलाहाबाद ।
जयशंकर प्रसाद— नंददुलारे वाजपेयी— भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
छायावाद और नवजागरण— महेन्द्रनाथ राय— राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
कल्पना और छायावाद— केदारनाथ सिंह— वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
आधुनिक हिंदी कविता एवं आलोचना की द्वन्द्वात्मकता— कमला प्रसाद— साहित्य वाणी, इलाहाबाद ।
हिंदी में छायावाद— मुकुटधर पाण्डेय— तिरुपति प्रकाशन, हापुड़ ।
भारतीय स्वछंदतावाद और छायावाद— प्रेमशंकर— वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
माखनलाल चतुर्वेदी— श्रीकांत जोशी— साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
आधुनिक कवि भाग:7— हरिवंशराय बच्चन— हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।
आधुनिकता और साहित्य : दुर्गाप्रसाद गुप्त — सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिकतावाद : दुर्गाप्रसाद गुप्त — प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिकता के पहलू : विपिन कुमार — लोकभारती प्रकाशन

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

HND-1120

हिन्दी कहानी

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौवस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 पूरे पाठ्यक्रम से इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई-1

कहानी की अवधारणा
हिंदी कहानी: उद्भव, विकास और स्वरूप
प्रारंभिक कहानी की मूल प्रवृत्ति

इकाई-2

प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी
विविध कहानी आन्दोलन
समकालीन हिंदी कहानी

इकाई-3

निर्धारित कहानियाँ
उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद), कफ़न (प्रेमचंद), परिदे (निर्मल वर्मा), तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु)

इकाई-4

निर्धारित कहानियाँ
पिता (ज्ञानरंजन), पार्टीशन (स्वयं प्रकाश), डेफोडिल जल रहे है (मृदुला गर्ग), तिरिछ (उदयप्रकाश), प्रेत मुक्ति (संजीव)

सहायक ग्रंथ—

- कथा सरित्सागर—(तीन खण्ड)— बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना ।
पंचतंत्र— विष्णु शर्मा— मोती लाल बनारसी दास— पटना ।
हिंदी कहानी का विकास— गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
हिंदी कहानी संग्रह— सं. भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी दिल्ली ।
प्रेमचंद और उनका युग— राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
अधूरे साक्षात्कार— नेमिचंद जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
कहानी नई कहानी— नामवर सिंह लोकभारती इलाहाबाद ।
नई कहानी: संदर्भ एवं प्रकृति — देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, नई दिल्ली ।
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ— सुरेन्द्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद ।
हिंदी कहानी: रचना और परिस्थिति— सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद ।
शांति निकेतन से शिवालिक तक— सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञान पीठ— दिल्ली ।
हिंदी कहानी: अस्मिता की तलाश— मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकुला ।
कहानी का लोकतंत्र— पल्लव, आधार प्रकाशन , पंचकुला ।
समकालीन कहानी का समाजशास्त्र— देवेन्द्र चौबे, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।
हिंदी कहानी: वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग— रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
हिंदी कहानी का विकास— मधुरेश— लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

HND-1121

हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल तक)

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर दना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी का प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई-1

साहित्य के इतिहास की अवधारणा
हिंदी में साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई-2

आदिकाल: नामकरण एवं पृष्ठभूमि
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य।

इकाई-3

भक्तिकाल: सामाजिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि
वैष्णव भक्ति का उदय और दक्षिण के आलवार संत
निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ
भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय
भक्तिकालीन गद्य-साहित्य

इकाई-4

दूरबारी संस्कृति और रीतिकाल
रीतिकाल: परिस्थितियाँ एवं नामकरण
रीति कवियों का आचार्यत्व
रीति सिद्ध, रीत बद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं,
रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

सहायक ग्रंथ

- हिंदी साहित्य का इतिहास— रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
हिंदी साहित्य का इतिहास— सं. डॉ. नागेंद्र— मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली ।
त्रिवेणी— रामचंद्र शुक्ल— नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
हिंदी साहित्य का आदिकाल— हजारी प्रसाद द्विवेदी—बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना ।
हिंदी साहित्य की भूमिका— हजारी प्रसाद द्विवेदी— राजकमल, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास— हजारी प्रसाद द्विवेदी— राजकमल, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य का अतीत(दो खण्ड)— विश्वनाथ प्रसाद मिश्र— वाणी प्रकाशन ।
रीतिकाल की भूमिका— डॉ. नगेंद्र— नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
हिंदी रीति साहित्य— भागीरथ मिश्र— राजकमल, नई दिल्ली ।
परंपरा का मूल्यांकन— रामविलास शर्मा— राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
लोक जागरण और हिंदी साहित्य— रामविलास शर्मा— राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य का सरल इतिहास— विश्वनाथ त्रिपाठी , ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली ।
वैष्णव भक्ति का उदय और विकास— सुवीरा जायसवाल— ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली ।
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास— रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद ।
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य— शिवकुमार मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद ।

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

HND-1122

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई -1

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति

भाषा अध्ययन की दिशाएं -वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक
हिन्दी की उपभाषाएं : पूर्वी हिन्दी और उनकी बोलियां, पश्चिमी हिन्दी और उनकी बोलियां
हिन्दी के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण
काव्य भाषा के रूप में अवधि का विकास
काव्य भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का विकास
हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

इकाई -2

ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया
स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं

इकाई -3

शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण
वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप
भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य
वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना
वाक्य के प्रकार :

- (i) रचना की दृष्टि से
 - (ii) अर्थ की दृष्टि से
- हिन्दी का मानकीकरण

अर्थ : परिभाषा, शब्द-अर्थ संबंध

अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं

भाषा और व्याकरण संबंध

नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास

नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

हिन्दी : प्रचार-प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान

प्रमुख संस्थाओं का योगदान

सहायक ग्रंथ

- भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ० नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला 2006 ई०
- भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ० नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई०
- हिंदी भाषा – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई०
- भाषाविज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई०
- भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो० देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली – 2001 ई०
- हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई०
- हिंदी : उद्भव विकास और रूप – डॉ० हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद 1980 ई०
- सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ० बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई०
- व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ० दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई०
- आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली 2000 ई०

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

HND-1123

कम्प्यूटर का हिंदी में अनुप्रयोग

पूर्णांक : 100
लिखित : 60
प्रयोगिक परीक्षा : 40
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई-1

कम्प्यूटर (संगणक) प्रणाली- परिचय, उद्भव एवं विकास
परिभाषा, उपकरण और प्रयोग
आंकडा संसाधन, वर्तनी संशोधन

इकाई-2

इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय, इंटरनेट के उपकरणों का परिचय
समय मितव्ययिता का सूत्र, वर्ल्ड वाइड वेब (www) का विकास, प्रचार, प्रसार
डाउनलोड एवं अपलोड

इकाई-3

हिंदी वेबसाइट्स: परिचय,
पोर्टल क्या है?, पोर्टल का स्वरूप, हिंदी पोर्टल,
वेबसाइट परिभाषा, हिंदी वेबसाइट्स : वर्गीकरण, भाषा, साहित्य, पत्रिकाएं, समाचार आदि

इकाई-4

हिंदी साहित्य से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइट्स और ब्लॉगपोस्ट का परिचय
सोशल साइट्स का परिचय, उपयोग और महत्व।

सहायक पुस्तकें

अपना कम्प्यूटर अपनी भाषा में- राजेश रजंन- हिंदी बुक्स सेटर।
आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान- विनोद कुमार मिश्र- हिंदी बुक्स सेटर।
Basic Computer- Deepak Chakravarti- Hindi book center.
कम्प्यूटर और हिंदी- हरिमोहन-हिंदी बुक्स सेटर र।
कम्प्यूटर बेसिक शिक्षा-गुंजन शर्मा-हिंदी बुक्स सेटर।
आओ कम्प्यूटर जानें- अमित गर्ग-हिंदी बुक्स सेटर।
कम्प्यूटर बेसिक नॉलेज- कोमल कथूरिया-हिंदी बुक्स सेटर।

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्नपत्र

HND-1124(i)
साहित्य की समझ

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से चार-चार दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई-1

साहित्य और समाज : सैद्धान्तिक विवेचन
भाषा और उसका सर्जनात्मक रूप
साहित्य संबंधी अवधारणाएँ : भारतीय और पाश्चात्य
साहित्य और समाज
साहित्य और मनोविज्ञान
साहित्य और राजनीति
साहित्य और विचारधारा
साहित्य और संस्कृति
साहित्य और इतिहास
साहित्य एवं अन्य कलाएँ
साहित्य का प्रयोजन

इकाई-2

साहित्य और समाज : कहानियों के आईने में

1. भूमि अधिग्रहण की समस्या
टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे
लाल छींट वाली लुगड़ी का सपना- सत्यनारायण पटेल
2. साम्प्रदायिकता की समस्या
शरणदाता - अज्ञेय
गुरु चेला संवाद - असगर वज़ाहत
3. उपभोक्तावादी संस्कृति और बाजार का प्रतिरोध
पक्षी और दीमक - मुक्तिबोध
बच्चे गवाह नहीं हो सकते - पंकज विष्ट

4.पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था और संस्कृति

करवा का व्रत – यशपाल

आक एगारसी – अलका सरावगी

सहायक ग्रंथ–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान
2. हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका– मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि– मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्यालोचन– श्यामसुंदर दास– इंडियन प्रेस, इलाहाबाद
6. साहित्य सहचर– हजारी प्रसाद द्विवेदी– लोकभारती इलाहाबाद।
7. साहित्य के सिद्धांत तथा रूप– भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आलोचना और विचारधारा– नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
आज और आज से पहले– कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
सर्जना और संदर्भ– अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
छठवाँ दशक– (राजनीति और साहित्य शीर्षक निबंध) विजय देवनारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
9. मुक्तिबोध रचनावली– खंड पाँच(समाज और साहित्य) राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
10. मिट्टी की ओर– रामधारी सिंह दिनकर– लोक भारती , इलाहाबाद।
12. What is Literature- Jean- Paul Sartre-Routledge – London
13. On Literature- J.Hillis Miller- Routledge – London
14. Ideology – Michael Freedman- Oxford University Press – London.
15. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र–शरणकुमार लिंबाले– वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र– सं. देवेन्द्र चौबे– किताब घर

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ट प्रश्न पत्र

HND-1124(ii)

अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग

पूर्णांक : 100 लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर दना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई- 1

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
अनुवाद : स्रोतभाषा एवं लक्ष्य भाषा
अनुवाद के सिद्धान्त
अनुवाद प्रक्रिया : वि'लेषण, अंतरण और पुनर्गठन
अनुवाद का महत्त्व

इकाई - 2

अनुवाद की इकाई (शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ)
अच्छे अनुवाद के सामान्य तत्त्व एवं अनुवादक के गुण
अनुवाद : कला, विज्ञान या शिल्प
अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद
साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद

इकाई - 3

अनुवाद की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय
कंप्यूटर अनुवाद
कार्यालयी अनुवाद
पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद
अनुवाद की सीमाएं

इकाई - 4

व्यावहारिक अनुवाद : अंग्रेजी से हिंदी (एक अनुच्छेद)

सहायक ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार
अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : प्रो० सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन
अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद विज्ञान एवं सम्प्रेषण : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी० गोपीनाथ, लोकभारती
अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग : डॉ० नगेन्द्र, दिल्ली

अनुवाद सिद्धान्त : डॉ० भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहाकार, दिल्ली
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्न पत्र

HND-1125(i)
मूल्य शिक्षा

पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आंतरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्न पत्र

HND-1125(ii)
Communication Skill and Personality Development

पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आंतरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

प्रथम सेमेस्टर
नवम् प्रश्नपत्र
संगोष्ठी (Seminar)

HND-1126

पूर्णांक : 25 अंक

प्रथम सेमेस्टर
अष्टम् प्रश्नपत्र
स्वाध्याय (Self Study Paper)

HND-1127

पूर्णांक : 25 अंक

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

HND-2119

आधुनिक हिंदी कविता
(1936 – 1967)

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:—

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश
 प्रगतिवाद : प्रवृत्तियाँ, युगबोध एवं सौन्दर्यबोध
 प्रयोगवाद : तारसप्तक का महत्त्व, युगबोध, सौन्दर्यबोध और प्रयोगधर्मिता

इकाई - 2

नई कविता, आधुनिकताबोध, अस्तित्ववाद, लघुमानववाद
 अकविता : प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएं

इकाई - 3

रामधारी सिंह दिनकर : उर्वशी (तृतीय सर्ग)
 अज्ञेय : असाध्य वीणा
 गजानन माधव मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल-गलती
 केदारनाथ अग्रवाल : मांझी न बजाओ वंशी, चन्द्रगहना से लौटती बेर
 भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, गाँव

इकाई - 4

नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, मास्टर
 शमशेर बहादुर सिंह : बात बोलेगी, एक पीली शाम
 रघुवीर सहाय : रामदास
 केदारनाथ सिंह : बनारस
 राजकमल चौधरी : मुक्ति प्रसंग

सहायक ग्रंथ

नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ
 कल्पना का उर्वशी विवाद : सं० गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन
 मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना : नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 प्रगतिवाद : शिवदान सिंह चौहान, प्रदीप कार्यालय, मुरादाबाद
 नहे रू युग और अकविता : वेद प्रकाश, नवचते न प्रकाशन, दिल्ली
 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ
 मरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन
 राजकमल चौधरी का रचना कर्म : दवे शंकर नवीन, भारतीय प्रकाशन संस्थान
 साठोत्तरी हिंदी कविता: परिवर्तित दिशाएं : विजय कुमार – प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
 पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र

HND-2120
हिंदी उपन्यास

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:—

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

उपन्यास : अवधारणा, उद्भव और विकास
हिन्दी उपन्यास और मध्य वर्ग
प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास और भारतीय परिवेश

प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास
हिन्दी उपन्यास और विचारधारा

इकाई- 2

देश विभाजन और हिंदी उपन्यास
समकालीन हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ
स्त्री उपन्यास लेखन
1990 के बाद का हिन्दी उपन्यास

इकाई- 3

गोदान : प्रेमचन्द
सुनीता : जैनेन्द्र कुमार

इकाई- 4

कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर
कठगुलाब : मृदुला गर्ग

सहायक ग्रंथ

हिंदी उपन्यास एक अंतरयात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
प्रेमचन्द व्यक्तित्व और कृतित्व – हंसराज रहबर, आत्माराम प्रकाशन, दिल्ली
अधूरे साक्षात्कार – नैमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
कथा समय – विजय मोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचन्द पूर्व के हिंदी उपन्यास – ज्ञानचंद जैन, आर्य प्रकाशन मण्डल
हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरशे, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
अज्ञेय और उनके उपन्यास – गोपाल राय, गंध्र निकेतन, पटना
उपन्यास और समकालीनता – ज्योतिष जोशी भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
इतिवृत्त की संरचना और संरूप – डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
समकालीन कथा साहित्य : सरहदे और सरोकार – डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
भारतीय उपन्यास और आधुनिकता – वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
भूमण्डलीकरण और हिंदी उपन्यास : डॉ० पुष्पपाल सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

HND-2121

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
- 3 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई- 1

हिंदी गद्य का उदभव और विकास
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक नवजागरण
भारतेदु और उनका युग
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक
राष्ट्रवादी एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधाराओं के कवियों का परिचय

इकाई- 2

छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य, प्रवृत्तियाँ
प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और काव्य
प्रयोगवाद के मुख्य कवि और काव्य
नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि

इकाई- 3

(हिन्दी में गद्य विधाओं का उदभव एवं विकास -1)

कहानी और उपन्यास
नाटक और एंकाकी
निबन्ध
आलोचना

इकाई- 4

(हिन्दी में गद्य विधाओं का उदभव एवं विकास -2)

आत्म कथा, जीवनी, संस्मरण रेखाचित्ररिपोर्ताज, यात्रा साहित्य, डायरी
हिन्दी का प्रवासी साहित्य
प्रमुख आस्मितावादी विमर्श (स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, किसान, पर्यावरण
पत्र पत्रिकाएँ

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
हिंदी साहित्य : उदभव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली

हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
उपन्यास और लोकतन्त्र : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं : अवधेश प्रधान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आदिवासी साहित्य का इतिहास : हरिराम मीणा
इतिहास क्या है : ई०एच०कार – मैकमिलन प्रकाशन
स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोवुअर – हिंदी पॉकेट बुक्स

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र

HND-2122

हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

नाटक और रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप
हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
हिंदी रंगमंच : उद्भव और विकास
हिंदी नाटक : आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता

इकाई - 2

जयशंकर प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
चंद्रगुप्त : जय शंकर प्रसाद
अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई - 3

मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगधर्मिता
अंधायुग का नाट्य शिल्प और अस्तित्ववाद
आधे-अधूरे : मोहन राकेश
अंधायुग : धर्मवीर भारती

इकाई - 4

विभाजन : मानवीय त्रासदी का रूपक
मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मीनारायण लाल
जिस लाहौर नई देखा ओ जम्याइ नई : असगर वजाहत

सहायक ग्रंथ

भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
 हिंदी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स
 हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
 आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
 मोहन राकेश और उसके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
 हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
 मोहन राकेश रंग शिल्प एवं प्रदर्शन : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
 हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर षष्ठ प्रश्नपत्र

HND-2123

जनसंचार माध्यम एवं हिंदी

पूर्णांक : 100
 आंतरिक मूल्यांकन : 20
 लिखित : 80
 समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई— 1

जनसंचार : अवधारणा, स्वरूप और विकास
 जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार
 जनसंचार और हिंदी

इकाई — 2

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि)
 प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि)
 प्रिंट मीडिया की भाषा

इकाई – 3

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का स्वरूप

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए लेखन (टी०वी०, रेडियो, फिल्म आदि)

कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार चैनल, रिपोर्टिंग, मनोरंजन, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि) **इकाई – 4**

सोशल मीडिया और हिंदी

ई-कॉमर्स, ई-बीजनस, ई-पत्रिका आदि

सोशल मीडिया की भाषा

सहायक पुस्तकें:-

संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रमेडं विलियम्स

संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी०सी० जोशी

हिंदी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास : अर्जुन तिवारी

साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार – रामशरण जोशी

पत्रकारिता में अनुवाद : रामशरण जोशी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

पटकथा लेखन एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

हिंदी विज्ञापन की भाषा : आशा पाण्डेय – ब्लैकी एंड एन पब्लिकेशंस, दिल्ली

समाचार संकलन एवं लेखन : नंद किशोर त्रिखा – उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन : रमेश जैन – आधार प्रकाशन

जनसंचार माध्यमों में हिंदी : चंद्र कुमार – क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली

पत्रिका संपादन कला : रामचंद्र तिवारी – आलख प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम् प्रश्न पत्र

HND-2124 (i)

लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1, 2 व 3 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
लोक साहित्य का इतिहास
लोक संस्कृति और साहित्य
लोक साहित्य : परम्परा एवं प्रयोग

इकाई- 2

साहित्य और लोक का अन्तर एवं अंतःसंबंध
लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया
लोक साहित्य के संकलन और दस्तावेजीकरण की समस्याएं

इकाई- 3

लोकगीत
लोककथा
लोकगाथा (सांग)
लोकनाट्य

इकाई- 4

हरियाणवी : उद्भव और विकास
हरियाणवी उपबोलियों का परिचय
हरियाणा के लोकगीत
ऋतु गीत - 1. सावन के गीत (1,8,9,25,30)

2. फागुन के गीत (1,2,3)
(पुस्तक का शीर्षक : हरियाणा के लोकगीत, लेखक : साधुराम शारदा)

हरियाणा की नौटकी –

ज्यानी चोर – लख्मीचन्द ग्रंथावली

सम्पादक पूर्णचन्द शर्मा

शाही लकडहारा

हरियाणवी लोकनाट्य

नल दमयन्ती – लख्मीचन्द ग्रंथावली

सम्पादक पूर्णचन्द शर्मा

सत्यवान सावित्री

सहायक ग्रंथ

लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
भारत में लोकसाहित्य : कृष्णदेव उपध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद : बंद्री नारायण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
परम्परा, इतिहास और संस्कृति : श्यामचरण दूबे, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
पंचदश लोकभाषा, निबंधावली : बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
भोजपुरी भाषा और साहित्य : उदयनारायण तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
स्वप्न प्रक्रिया : विजयदान देथा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
भारत की लोकभाषाएं – नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
भारत में आदिवासी क्षेत्र की लोककथाएं – नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
भिखारी ठाकुर रचनावली – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन : डॉ० पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य : डॉ० शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी साहित्य का इतिहास : डॉ० बाबूराम एवं रघुवीर मथाना, लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन, रोहतक
हरियाणवी भाषा और साहित्य : डॉ० बाबूराम, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
हरियाणा के लोकगीत : साधुराम शारदा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
ब्रह्मानंद सरस्वती रचनावली – हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी लोककथाएं : सं० शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
लख्मीचन्द ग्रंथावली – हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी लोककाव्य नाट्य एवं नाट्य के गौरव : सं० शिवताज सिंह, विवेक पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम् प्रश्न पत्र

HND-2124 (ii)
प्रवासी साहित्य

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई – 1

प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप और विकास
प्रवासन का साहित्य और अप्रवासी समाज

इकाई – 2

हिंदी में प्रवासी लेखन
प्रवासी लेखन की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3

लाल पसीना : अभिमन्यु अनंत (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
हवन : सुषम बेदी (अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई – 4

वह रात और अन्य कहानियाँ : उषा राजे सक्सेना (सामयिक प्रकाशन)

चुनिदां व्यंग्य रचनाएँ : धर्म जैन

गुड्डे में देश
तीन व्यंग्य
इकत्तीसवीं सदी में
झंडा ऊंचा रहे हमारा

सहायक ग्रंथ

वर्तमान साहित्य (प्रवासी साहित्य विशेषांक) : सं० कुंवरपाल सिंह – अलीगढ़
समकालीन कथा साहित्य: सरहदें और सरोकार : डॉ० रोहिणी अग्रवाल आधार प्रकाशन,
पंचकूला प्रवासी संसार : सं० राकेश पाण्डेय – दिल्ली
ब्रिटेन में हिंदी : उषा राजे सक्सेना – मेधा बुक्स, दिल्ली

अन्यथा अंक 4 : सं० कृष्ण किशोर – अमेरिका
प्रवासी कहानियाँ : सं० हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी
लाल पसीना (उपन्यास) : अभिमन्यु अनंत – राजकमल प्रकाशन,
दिल्ली हवन (उपन्यास) : सुषम बेदी – अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ट प्रश्नपत्र
संगोष्ठी (Seminar)

HND-2125

पूर्णांक : 25 अंक

द्वितीय सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्नपत्र
स्वाध्याय (Self Study Paper)

HND-2126

पूर्णांक : 25 अंक

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

HND-3119

समकालीन हिंदी कविता—3
(1967 से अद्यतन)

पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

समकालीनता का अभिप्राय और हिन्दी कविता
नक्सलबाडी आंदोलन और हिन्दी कविता
आपातकाल और हिन्दी कविता
आपातकाल के बाद कि हिन्दी कविता
समकालीन हिन्दी कविता

इकाई- 2

भूमण्डलीकरण और हिंदी कविता
साम्प्रदायिकता और हिन्दी कविता
हिन्दी कविता में अस्मितामूलक स्वर
समकालीन कविता की सौन्दर्य चेतना और भाषा
इकाई- 3

नागार्जुन – बाल न बांका कर सकी, इंदू जी
सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' – पट कथा
विनोद कुमार शुक्ल – जो मेरे घर कभी नहीं आएंगे, मंगल ग्रह इस समय पृथ्वी के बहुत पास आ गया है
आलोक धन्वा – सफेद रात, गोली दागो पोस्टर

इकाई- 4

मंगलेश डबराल – संगतकार, गूढानंद पथिक
राजेश जोशी- बच्चे काम पर जा रहे हैं, इत्यादि
अनामिका – बेजगह, स्त्रियाँ
ओमप्रकाश बाल्मीकि – अखाड़े की माटी, बस बहुत हो चुका

सहायक पुस्तकें:-

सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' : अवधेश प्रधान – साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
नेहरू युग और अकविता : वेद प्रकाश, नवचेतन प्रकाशन, नई दिल्ली
कहती हैं औरते : सं० अनामिका – साहित्य सदन
कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
आवाज भी एक जगह है (कविता संग्रह) : मंगलेश डबराल –
सब कुछ होना बचा रहेगा (कविता संग्रह) : विनोद कुमार शुक्ल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
संस्कृति का अकेलापन : डॉ० दुर्गाप्रसाद गुप्त, संजय प्रकाशन, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र

HND-3120

कथेतर गद्य विधाएं

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80

समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

हिंदी गद्य की निर्माणभूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज

आधुनिकता और गद्य का अंतर्सम्बन्ध

गद्य का आरम्भिक स्वरूप

भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्यकारों का योगदान : गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खॉं, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह

इकाई- 2

आधुनिक युग में कथेतर विधाओं का विकास

हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का योगदान

हिन्दी निबंध रखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण, रिपोर्टाज, आत्मकथा, जीवनी, डायरी,

व्यंग्य और लघुकथा लेखन की परंपरा का संक्षिप्त अध्ययन

कथेतर विधाओं का विकास और महत्त्व

इकाई- 3

बालकृष्ण भट्ट : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास

रामचंद्र शुक्ल : लोभ और प्रीति

हजारी प्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल

हरिशंकर परसाई : पगडंडियों का जमाना

इकाई- 4

महादेवी वर्मा : सबिया

विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा का अंश -पहला पर्व

निर्मल वर्मा : चीड़ों पर चाँदनी

जाबिर हुसैन: डोला बीवी की मजार

संदर्भित पुस्तके :-

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद भारतेन्दु
युग और हिंदी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज : सं० शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
हिंदी गद्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र

HND-3121

भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

काव्य : स्वरूप और प्रकार

काव्य : अर्थ और परिभाषा

काव्य के तत्व

काव्य-हेतु

काव्य-प्रयोजन

काव्य-भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

रस—सिद्धान्त

रस : परिभाषा तथा स्वरूप

रस-निष्पत्ति

साधारणीकरण

सहृदय की अवधारणा

अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

सहायक ग्रंथ

- काव्यशास्त्र—भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास—भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
भारतीय काव्यशास्त्र—योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
भारतीय काव्यशास्त्र—सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
काव्य के रूप—गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
साहित्यालोचन—श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग ।
हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास—भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
आलोचक और आलोचना—बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया—हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
साहित्य का आधार दर्शन—जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी ।
साहित्य और अध्ययन—गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
हिंदी आलोचना का विकास—डॉ० सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली—डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र

HND-3122

आधुनिक भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 पूरे पाठ्यक्रम (इकाई 1 से 4) में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 2, 3 एवं 4 में से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई - 1

भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीय साहित्य का स्वरूप और विकास
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीय साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ

इकाई - 2

संस्कार (उपन्यास) : यू० आर० अनंतमूर्ति
मढी का दीवा : गुरदयाल सिंह

इकाई - 3

घासीराम कोतवाल (नाटक) : विजय तेंदुलकर
तुगलक : गिरीश कर्नाड

इकाई - 4

दीवान-ए-गालिब, संपा०-अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित गजलें :

बस कि दुश्वार है	18
ये न थी हमारी किस्मत	21
रहिए अब ऐसी जगह	128
कोई उम्मीद बर नहीं आती	162
दिले नादां तुझे हुआ क्या है	163
हर एक बात पै कहते हो	179
नुक्तची है गम-ए-दिल	192
हजारों ख्वाहिशें ऐसी	220

रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियाँ (खण्ड-1), अनु०-रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
निर्धारित कहानियाँ-

पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र और पात्री

सहायक पुस्तकें :-

इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेण्डेंस : सं० के०एस०आर० अयंगर - साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
दिल्ली कंपरेटिव लिटरेचर : डॉ० नगेन्द्र - दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
भारतीय साहित्य : डॉ० नगेन्द्र - साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास- चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी
भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर - उदयांचल प्रकाशन, पटना
भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए०आर० दसेई - मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
दिल्ली आधुनिक भारतीय चिंतन : विवनाथ कुमारवड्डे - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
भारतीय चिंतन परम्परा : के दामोदरन - पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
गालिब की कविता : कृष्ण गौड़ - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

HND-3123 (i)

विशिष्ट रचनाकार
(कबीर)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई – 1

कबीर का समय
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का रहस्यवाद
कबीर की भक्ति भावना
कबीर के राम

इकाई— 2

कबीर की क्रांति चेतना
कबीर का स्त्री-विषयक चिंतन
कबीर की मानवतावादी दृष्टि
कबीर की भाषा
कबीर के पारिभाषिक शब्द
अलख, सहज, शून्य, निरंजन, अजपाजाप, अनहदनाद, सुरति निरति,
नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

इकाई— 3

कबीर ग्रंथावली : सं० श्यामसुन्दर दास (निर्धारित 30 पद)
पद संख्या : 1 ,8, 14, 16 ,21, 23, 24, 34, 39, 41, 42, 43, 49, 57, 59, 60, 61, 64,
80, 89, 91, 92, 111, 117, 129, 132, 136, 139, 153, 156

इकाई— 4

रमैनी (संपूर्ण)

सहायक पुस्तकेः—

कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी — राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
कबीर मीमांसा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी — भारती भण्डार, इलाहाबाद
उत्तर भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी — भारती भण्डार, इलाहाबाद
हिंदी काव्य में निर्गुणधारा : पीताम्बर दत्त बड़थवाल — अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ
कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत — साहित्य निकेतन, कानपुर
हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर : डॉ० राजदेव सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
संत कबीर : डॉ० रामकुमार वर्मा — साहित्य भवन, इलाहाबाद

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

HND-3123 (ii)

विशिष्ट रचनाकार
(तुलसीदास)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई – 1

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और तुलसीदास
रामकाव्य-परम्परा और तुलसीदास
तुलसी का समाज दर्शन

इकाई- 2

तुलसीदास की लोकमंगल एवं समन्वय की भावना
तुलसी काव्य की प्रासंगिकता
तुलसीदास की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई- 3

रामचरितमानस (गीता प्रेस)
उत्तरकाण्ड

इकाई- 4

कवितावली (10 छंद) – 29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 84, 88

सहायक ग्रंथ:-

गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
तुलसी : राममूर्ति त्रिपाठी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
तुलसी के हिम हेरि राम : विष्णुकांत शास्त्री – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
तुलसी दर्शन मीमांसा : उदयभानु सिंह – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : वैजनाथ प्रसाद – विशाल पब्लिकेशंस, पटना
तुलसी संदर्भ : डॉ० नगेन्द्र – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

तुलसीदास : माताप्रसाद गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र – लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
तुलसीदास : अजय तिवारी – आधार प्रकाशन, पंचकूला
भक्ति, नीति और दर्शन : हरिश्चन्द्र वर्मा – आधार प्रकाशन

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

HND-3123 (iii)
विशिष्ट रचनाकार
(सूरदास)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई - 1

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
सूरदास का दार्शनिक दृष्टिकोण
सूरदास का प्रकृति-निरूपण
सूरदास का सौन्दर्य बोध

इकाई - 2

सूरदास की भक्ति भावना
सूरदास का वात्सल्य वर्णन
सूरदास के काव्य में गीतितत्व
सूरदास की काव्य-भाषा

इकाई - 3

सूरसागर सार (संपादक डॉ० धीरेन्द्र वर्मा)
मथुरा गमन से निर्धारित पद (30 पद)
4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 17, 18, 19, 20, 35,
40, 43, 44, 45, 48, 51, 55, 58, 62, 64, 68, 75, 76, 77, 87,
93

इकाई- 4

सूरसागर सार (संपादक डॉ० धीरेन्द्र वर्मा)
उद्धव संदेश से निर्धारित पद (30 पद)
5, 6, 12, 22, 23, 27, 31, 33, 36, 62, 65, 66, 68, 69, 70, 71, 72, 73,
75, 76, 77, 82, 92, 94, 95, 96, 101, 109, 125, 136

सहायक ग्रंथ:-

सूरसागर (श्रीकृष्ण लीलात्मक) (पाँच खण्ड) : डॉ० किशोरी लाल गुप्त - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
सूरदास और उनका भ्रमरगीत : डॉ० श्रीनिवास शर्मा – नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
सूर संचयिता : सं० मैनेजर पाण्डेय – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
सूरसागर में भक्ति विवेचन और विश्लेषण : डॉ० उषा कुमारी – निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
सूरकाव्य में लोक-दृष्टि का विश्लेषण : डॉ० मीरा गौतम – निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

HND-3123 (iv)
विशिष्ट रचनाकार
(मीराबाई)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई – 1

मीराबाई का समय और समाज
मीराबाई का जीवन
मीराबाई और हिंदी आलोचना

इकाई- 2

मीराबाई की कृष्णभक्ति
मीराबाई और स्त्री-प्रश्न
मीराबाई की भाषा और सौंदर्यबोध

इकाई- 3

मीरा वृहत्पदावली (प्रथम भाग) : संपादक स्वर्गीय श्री हरिनारायण पुरोहित – राजस्थान प्राच्यविद्या
प्रतिष्ठान, जोधपुर (राजस्थान)

मीराबाई के भक्ति पद (निर्धारित 25 पद)

30, 44, 54, 73, 108, 117, 129, 147, 199, 205, 224, 240, 247, 279,
286, 287, 316, 339, 363, 367, 443, 539, 568, 587, 617

इकाई- 4

मीराबाई के स्त्री प्रश्न से संबंधित पद (निर्धारित 25 पद)

40, 92, 107, 132, 164, 176, 228, 264, 314, 327, 382, 385, 416, 454,
479, 506, 507, 512, 513, 515, 563, 564, 589, 648, 649

सहायक पुस्तकें:-

मीराबाई का जीवन परिचय : मुंशी देवी प्रसाद – बंगीय हिंदी परिषद्, कोलकाता
मीरा स्मृति ग्रंथ : बंगीय हिंदी परिषद्, कोलकाता
मीरा का जीवन और काव्य (दो भाग) : डॉ० सी०एल० प्रभात – राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
श्रीभक्तमाल (टीका कवित्त) : प्रियादास – श्री वेंकटेश्वर प्रेस, मुम्बई
चौरासी वैष्णव की वार्ता : गोकुलनाथ – पूजा प्रेस, अहमदाबाद
पद प्रसंग माला : नागरीदास – राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
वीर विनोद (भाग दो) : श्यामलदास – मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
उदयपुर का इतिहास : गौरीशंकर हीराशंकर ओझा – राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
मीरा का जीवन : अरविंद सिंह तेजावत – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प : डॉ० रोहिणी अग्रवाल – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
मीराबाई : चन्द्रा सदायत- नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
मीरां बृहत्पदावली : राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान पी डब्ल्यू डी रोड, जोधपुर

तृतीय सेमेस्टर सप्त प्रश्नपत्र (मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम) संप्रेषण कौशल

HND-3124

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

निर्देश –

- 1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से तीन-तीन प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न का उत्तर देना होगा। कुल आठ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 72 अंक का होगा।
- 2 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

इकाई-1 भाषा और संप्रेषण

भाषा का स्वरूप, संप्रेषण का स्वरूप

संप्रेषण के मूल तत्व, संप्रेषण की विशिष्टता,
ध्वनि, ध्वनियों का वर्गीकरण एवं उच्चारण कौशल,
वाक्य विन्यास, आंगिक चेष्टाएं और संप्रेषण के विविध रूप

इकाई-2 श्रवण-कौशल

श्रवण कुशलता (प्रभावी श्रवण)

श्रवण सक्रियता

पुनर्चना के लिए श्रवण

रूपरेखा के लिए श्रवण

इकाई-3 लेखन-कौशल

प्रभावी लेखन, संचार माध्यम के लिए लेखन,
पुनर्रचना सार संक्षेपण,
रिपोर्ट लेखन, विविध पत्र लेखन, प्रारूपण एवं टिप्पण लेखन

इकाई-4 संवाद-कौशल

संवाद का स्वरूप
साक्षात्कार कौशल विधि
सामाजिक आदान-प्रदान के तौर-तरीकों का अध्ययन
अभिवादन कौशल, भाषण, वाद-विवाद, सामूहिक परिचर्चा आदि

सहायक ग्रंथ

भाषा शिक्षण : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिन्दी भाषा : संरचना और प्रयोग, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव आलेख प्रकाशन नई दिल्ली
व्यवसायिक हिन्दी : डॉ० भोलानाथ तिवारी/महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दाकार प्रकाशन दिल्ली
सृजन और संप्रेषण : स० ही० वात्स्यायन 'अज्ञेय', संचित प्रकाशन दिल्ली
जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र, जबरीमल पारिख, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
षष्ट प्रश्नपत्र
संगोष्ठी (Seminar)

HND-3125

पूर्णांक : 25 अंक

तृतीय सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्नपत्र
स्वाध्याय (Self Study Paper)

HND-3126

पूर्णांक : 25 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

HND-4119

आदिकालीन और मध्यकालीन कविता

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की विचारधारा, स्वरूप
भक्तिकाल का स्वरूप एवं दर्शन
रीतिकाल : युगबोध, अन्तर्वस्तु और सौन्दर्य विधान

इकाई- 2

सरहपा (सरहपा :सं0 विश्वविद्यालय उपाध्याय, साहित्य अकादमी,दिल्ली

ब्राह्मण न जानते भेद मिथ्या ही जगवाह भुले।
गुरु वचन सगं सिद्धो जब्बे
संबर चित राग दृढ चंगा
जौ परखे सर्प डसे सोई मरे
ऊँचा ऊँचा पावत,ताई बसेँ सबरि वाला

अमीर खुसरो – (अमीर खुसरो :व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ० परमानन्द पांचाल, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली) – (कुल 5 पद)

अम्मा मोरे बाबा को भेजो जी (गीत)
काहे को ब्याही विदेस रे (गीत)
बहुत कठिन है डगर पनघट की (गीत)
सगन बिन फूल रही सरसो (गीत)
छाप तिलक तज दीन्हीं रे तो से नैना मिलाके (कव्वाली)

विद्यापति की पदावली :सपादक रामवृक्ष बेनीपुरी निर्धारित पद 1, 2, 5, 6, 9 कुल पाँच पद

इकाई- 3

कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित अंश (I) पाठ्य साखियों—106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177 (कुल 10 दोहे)
(II) पाठ्य पद— 110, 130, 134, 137, 159, 160 (कुल 6 पद)

- **सूरदास** : भ्रमरगीत सार : संपादक राचन्द्र शुक्ल
निर्धारित पद— : 8, 21, 23, 24, 25, 29, 34, 38, 42, 52, =10 पद
- **तुलसीदास** : कवितावली : उत्तरकाण्ड— गीता प्रेस, गोरखपुर
निर्धारित पद — 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 37, 39 = 10 पद

इकाई -4

जायसी – नागमती वियोग खण्ड

मीराबाई (मीरा वृहत्पदावली – सं. स्व० श्री हरिनारायण पुरोहित)— 205, 314, 506, 507, 512, 513 (कुल 6 पद)

बिहारी सतसई (सं० जगन्नाथ रत्नाकर) – 1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38, 42, 45, 46, 51(20 दोहे)

घनानन्द (घनानन्द का काव्य : सं० रामदेव शुक्ल – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली) – कुल 6 पद

1. अति सूधो स्नेह को मारग है
2. हीन भये जल मीन अधीन
3. परकाजहिं देह को धारि फिरो
4. पुर भवन में मौन कए घूँघट
5. फ़ैल रही धर अंबर पुरी
6. जाहिर नाम को नाम जशोदा

सहायक पुस्तकें:-

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
मलिक मुहम्मद जायसी : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
सूरदास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
जायसी : विजयदेव नारायण साही – हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
मीरा का जीवन : अरविंद सिंह तजोवत – लोकभारती प्रकाशन
हिंदी रीति साहित्य : भगीरथ मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह – लोकभारती प्रकाशन
सनेह का मारग : इमरे बंधा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
कबीर : साखी और सबद : सं० पुरुषोत्तम अग्रवाल, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली
घनानन्द का काव्य : रामदेव शुक्ल – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
सरहपा : सं० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय – साहित्य अकादमी, दिल्ली

अमीर खुसरो:व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ० परमानन्द पांचाल – हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली
मीरा वृहत्पदावली (प्रथम भाग) : संपादक स्वर्गीय श्री हरिनारायण पुरोहित – राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राजस्थान)

चतुर्थ सेमेस्टर द्वितीय प्रश्नपत्र

HND-4120

अस्मितामूलक साहित्य एवं चिंतन
(स्त्री, दलित और आदिवासी आदि)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- 3 इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
- 4 निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

अस्मिता की अवधारणा
स्मृति, इतिहास और अस्मिता
अस्मिता और सत्ता
धर्म, संस्कृति और अस्मिता
अस्मिता : मुख्यधारा बनाम हाशिया
अस्मितामूलक आंदोलन : मुक्ति की आकांक्षा

इकाई - 2

साहित्य की स्त्री दृष्टि
स्त्री लेखन परम्परा और प्रवृत्तियाँ
साहित्य की दलित दृष्टि
दलित लेखन : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
आदिवासी लेखन : दृष्टि, परम्परा और प्रवृत्तियाँ

इकाई - 3

निबन्ध

महादेवी वर्मा – हिन्दू स्त्री का पत्नीत्व,
अज्ञात हिन्दू महिला (सं० डॉ० धर्मवीर) सीमंतनी उपदेश – जेवर का शौक
प्रभा खेतान – स्त्री उपेक्षिता – आज की स्त्री (121 पेज द्वितीय खंड बचपन)
डॉ० रोहिणी अग्रवाल – किले में समन्दर
ओमप्रकाश वाल्मीकि – दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

कहानियाँ

ममता कालिया – बोलने वाली औरत
मृदुला गर्ग – हरी बिन्दी

कावियाँ

कात्यायनी – हाकी खेलती लड़कियाँ , सात भाइयों के बीच चम्पा
सविता सिंह – रात नींद सपने और स्त्री, बैठी हैं औरतें विलाप में, कुसुम का सत्याग्रह

इकाई – 4

आत्मकथा

तुलसीराम – मुर्दहिया

कहानियाँ

ओमप्रकाश बाल्मीकि –सलाम

मोहनदास नेमिशराय – अपना गाँव

कविताएँ

निर्मला पुतुल – आदिवासी स्त्रियाँ, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा

अनुज लुगुन : अघोषित उलगुलान, आदिवासी, महुवाई गंध

सहायक पुस्तकें:-

शृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा – लोकभारती प्रकाशन

साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छ्वास : डॉ० रोहिणी अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

स्त्री लखन : स्वप्न और संकल्प लेखन – डॉ० रोहिणी अग्रवाल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोवुआर (अनु० प्रभा खेतान) – हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली

हिंदी उपन्यासों का स्त्री पाठ : डॉ० रोहिणी अग्रवाल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हाशिए का वृत्तांत : (स्त्री, दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास) – सं० दीपक कुमार और

डॉ० देवेन्द्र चौबे, आधार प्रकाशन, पंचकूला, प्रथम संस्करण 2011

दलित दृष्टि : गेल ओमवेट – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

आधुनिकता के आइने में दलित : सं० अभय कुमार दुबे – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज : ईश कुमार – अकादमिक प्रतिमा, नई दिल्ली

दलित कविता का संघर्ष : कंवल भारती – स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश बाल्मीकि – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : डॉ० देवेन्द्र चौबे – ओरिएंटल ब्लैकस्वान

आदिवासी साहित्य यात्रा : सं० रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन

आदिवासी स्वर और नई शताब्दी : सं० रमणिका गुप्ता – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हाशिए की वैचारिकी: सं० उमाशंकर चौधरी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र

HND-4121

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

इकाई- 1

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त

अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धांत

लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा

ड्राइडन : काव्य सिद्धांत

वड्सवर्थ : काव्य भाषा सिद्धांत

कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी० एस० इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

आई० ए० रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद—

स्वच्छन्दतावाद

शास्त्रीयतावाद

अभिव्यंजनावाद

मार्क्सवाद

फ्रायडवाद

अस्तित्ववाद

उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त—डॉ० मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र—देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा—डॉ० तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
आलोचक और आलोचना—बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया—हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
पाश्चात्य काव्य चिंतन—डॉ० करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ—सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ—सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार—रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली—डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

**चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र**

HND-4122

हिंदी आलोचना

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंको का होगा।

इकाई— 1

आलोचना की अवधारणा
हिंदी आलोचना का उद्भव एवं विकास
हिंदी आलोचना की वैचारिकी

इकाई — 2

भारतेन्दुयुगीन हिंदी आलोचना
द्विवेदीयुगीन हिंदी आलोचना
शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना
माक्सवादी हिंदी आलोचना
अस्मितामूलक हिंदी आलोचना

इकाई — 3

प्रमुख आलोचक :

रामचंद्र शुक्ल
नंददुलारे वाजपेयी
हजारीप्रसाद द्विवेदी
रामविलास शर्मा
डॉ० नगेन्द्र, नामवर सिंह

इकाई — 4

रचनाकार आलोचक :

प्रेमचंद
जयशंकर प्रसाद
अज्ञेय
मुक्तिबोध

सहायक ग्रंथ:—

हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आर्चाय रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हिंदी साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
पंत और पल्लव : सूर्यकांत त्रिपाठी षनिराला, गंगाधर-ग्रन्थागार, लखनऊ
काव्यकला एवं अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आलोचना का जनतंत्र : देवेन्द्र चौबे – आधार प्रकाशन, पंचकूला, प्रथम संस्करण 2011
साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र : सं० देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

HND-4123(i)

समकालीन साहित्य चिंतन

(मार्क्सवाद से विखण्डनवाद तक की विचारधाराओं के संदर्भ में)

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80

समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

इकाई— 1

गाँधीवादी साहित्य चिन्तन
अम्बेडकरवादी साहित्य चिन्तन

इकाई — 2

मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन
मनोविश्लेषणवादी साहित्य चिन्तन

इकाई — 3

अस्तित्ववादी साहित्य चिन्तन
आधुनिकतावादी साहित्य चिन्तन

इकाई — 4

उत्तरआधुनिकतावादी साहित्य चिन्तन
संरचनावादी और उत्तरसंरचनावादी साहित्य चिन्तन

सहायक पुस्तकें:—

यथार्थवाद : ग्यार्ज लुकाच — ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय — हरियाणा ग्रंथ अकादमी
संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्यवाद : गोपीचंद नारंग — साहित्य अकादमी
उत्तरआधुनिकता: बहुआयामी संदर्भ : पाण्डेय शशिभूषण शितांशु
आधुनिकता, उत्तरआधुनिकता एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत : एस०एल० दोषी — रावत पब्लिकेशन

श्रंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
The Postmodern Condition : A report of Knowledge : Jean FrancoisLyotard
साहित्य के संदर्भ में आधुनिकता : गंगाप्रसाद विमल
मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन : शिवकुमार मिश्र – वाणी प्रकाशन
गाँधी के देश में : सुधीर चन्द्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
मार्क्स, अम्बेडकर और गाँधी : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन,
दिल्ली मनोविश्लेषणवाद : फ्रायड– राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
अस्तित्ववाद : पौल रूचिबेक अनुदित – मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी

चतुर्थ सेमेस्टर पंचम प्रश्न पत्र

HND-4123(ii)

हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएं, आंदोलन, केन्द्र)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंको का होगा।

इकाई – 1

संस्थाएं : नागरी प्रचारिणी सभा (बनारस), हिंदी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् (पटना), दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा (चेन्नई), केन्द्रीय हिंदी संस्थान (आगरा)

इकाई – 2

पत्रिकाएं : सरस्वती, मतवाला, बाला बोधिनी, हंस (प्रेमचन्द), चौद (फाँसी और अछूत अंक), कादम्बिनी, आलोचना, धर्मयुग, समयांतर, पहल, हंस (राजेन्द्र यादव से अब तक)

इकाई – 3

आंदोलन : ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली, खड़ी बोली आंदोलन, हिंदी-उर्दू-हिंदुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आंदोलन, नाट्य आंदोलन, लघु पत्रिका आंदोलन, दलित आंदोलन, सोशल मीडियो

इकाई – 4

केन्द्र : बनारस, इलाहाबाद, कलकत्ता, दिल्ली, लखनऊ

सहायक पुस्तकें :-

नागरी प्रचारिणी सभा : वार्षिक विवरण – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
हिंदी साहित्य सम्मेलन का इतिहास : नरेश मेहता – हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

दक्षिण के हिंदी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास : पी०के० केशवन नायर – हिंदी साहित्य भण्डार

सरस्वती और राष्ट्रीय जागरण : हर प्रकाश गौड़ – नेशनल पब्लिशिंग हाउस

समाचार पत्रों का इतिहास : अंबिका प्रसाद वाजपेयी – ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

खड़ी बोली आंदोलन : शितिकंठ मिश्र – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

आधुनिक हिंदी के विकास में खड़ग विलास प्रेस की भूमिका : धीरेन्द्र नाथ सिंह – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

सभापतियों के भाषण (तीन खण्ड) – हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

हिंदी साहित्य की समस्याएं : सं० डॉ० रघुवंश, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

प्रगतिशील आंदोलन के इतिहास पुरुष : खगेन्द्र ठाकुर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी : पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

रंग दस्तावेज : सौ साल (दो खण्ड) : सं० महेश आनंद – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

परिमल स्मृतियाँ और दस्तावेज : केशवचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

मतवाले की बहक (दो खण्ड) : कर्मेन्दु शिशिर – संभावना प्रकाशन, हापुड़

चतुर्थ सेमेस्टर

षष्ठ प्रश्नपत्र

HND-4124(i)

विशिष्ट रचनाकार

(प्रेमचन्द)

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80 समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम (इकाई 1 से4) में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 में से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे तीनो प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द

प्रेमचन्द की साहित्य दृष्टि

प्रेमचन्द और यथार्थवाद

प्रेमचन्द और पत्रकारिता

इकाई – 2

प्रेमचन्द और किसान

प्रेमचन्द : स्त्री एवं दलित प्रश्न

प्रेमचन्द की कथा भाषा

इकाई – 3

उपन्यास : रंगभूमि

कहानियाँ : बड़े घर की बेटी, ईदगाह, पूस की रात, सद्गति, ठाकुर का कुंआ

इकाई – 4

नाटक : कर्बला

निबंध : साहित्य का उद्देश्य, कहानी कला— 1,2,3, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति

सहायक पुस्तकें:—

मानसरोवर (भाग 1 से 8) : प्रेमचंद – प्रकाशन संस्थान
कलम का सिपाही : अमृतराय – साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी – सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी
प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद और भारतीय किसान : डॉ० रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद: साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमल किशोर गोयनका –
आलोचना का जनपक्ष : चंद्रबली सिंह – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान –
प्रेमचंद चिंतन और कला : सं० इन्द्रनाथ मदान – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंध : सं० सत्यप्रकाश मिश्र – लोकभारती प्रकाशन
नई सदी की दहलीज पर : विनोद तिवारी – विजया बुक्स, दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर षष्ठ प्रश्नपत्र

HND-4124(ii)

विशिष्ट रचनाकार

(जयशंकर प्रसाद)

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80

समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम (इकाई 1 से 4) में से कोई 8 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 में से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई- 1

नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद
छायावादी काव्यदृष्टि और प्रसाद
प्रसाद का इतिहास-बोध
कामायनी की आलोचना – मुक्तिबोध : कामायनी एक पुनर्विचार

इकाई – 2

प्रसाद की दार्शनिक चेतना
कामायनी का रूपक तत्त्व
प्रसाद की नाट्य चेतना एवं शिल्प

इकाई – 3

कामायनी –इड़ा सर्ग, रहस्य सर्ग

इकाई – 4

उपन्यास : तितली
कहानियाँ : पुरस्कार, गुंडा, मधुआ, शरण दाता
नाटक : स्कन्दगुप्त
निबंध : काव्य और कला, रस

सहायक पुस्तकें:-

जयशंकर प्रसाद : आचार्य नदंदुलारे वाजपेयी –
नया साहित्य:नये प्रश्न : आचार्य नदंदुलारे वाजपेयी – मैकमिलन प्रैस, नई दिल्ली
कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर – भारती भण्डार, इलाहाबाद
छायावाद : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान : डॉ० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी – जगताराम एण्ड संस, दिल्ली
प्रसाद और उनका साहित्य : विनोद कुमार व्यास –
हिंदी नाटक : बच्चन सिंह –
प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ० राजमणि शर्मा –
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा –
कामायनी एक पुनर्मूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
जयशंकर प्रसाद:वस्तु और कला : डॉ० रामेश्वर खण्डेलवाल

चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ट प्रश्नपत्र

HND-4124(iii)

विशिष्ट रचनाकार
(सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 20
लिखित : 80
समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई— 1

स्वाधीनता आंदोलन और निराला
छायावादी काव्य संवेदना और निराला
निराला की प्रगतिशील चेतना
रामविलास शर्मा और निराला

इकाई— 2

निराला का आत्मसंघर्ष और काव्य चेतना
निराला और मुक्त छंद
निराला की कविता में गीत प्रगीत
निराला की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई— 3

कविताएँ : सरोज स्मृति , राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता, जागो फिर एक बार (दोनों भाग),
भिक्षुक, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर बह गया है।

इकाई— 4

बिल्लेसुर बकरिहा, देवी
निबंध : मेरे गीत और कला, कवि और कविता

सहायक पुस्तकें:-

- निराला की साहित्य साधना (तीन खण्डों में) : डॉ० रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
निराला एक आत्महंता आस्था : दधूनाथ सिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
क्रांतिकारी कवि निराला : बच्चन सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
निराला : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
निराला के पत्र : जानकी वल्लभ शास्त्री –
निराला : डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव – साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
छायावाद : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
महाकवि निराला : आचार्य नदं दुलारे वाजपेयी –
नवजागरण और छायावाद : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
भारतीय नवोत्थान और निराला : डॉ० महेन्द्रनाथ राय, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ट प्रश्नपत्र

HND-4124(iv)

विशिष्ट रचनाकार

(सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय')

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80

समय : 3 घण्टे

नोट:—

1. पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई — 1

आधुनिकतावाद की अवधारणा और अज्ञेय
कवि अज्ञेय, तार सप्तक और प्रयोगवाद
अज्ञेय के काव्य में प्रेम और सौंदर्यानुभूति

इकाई— 2

अज्ञेय की साहित्य दृष्टि और अस्तित्ववाद
अज्ञेय : स्त्री दृष्टि
अज्ञेय की भाषा और शिल्प

इकाई — 3

कविताएँ

असाध्य वीणा, हरी घास पर क्षण भर, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, कितनी नावों में कितनी बार

इकाई— 4

उपन्यास : नदी के द्वीप

कहानी : रोज, पगौडा वृक्ष, पठार का धीरज, हिलीबोल की बत्तखें

यात्रावृत्त : एक चिंतक से भेट (एक बूँद सहसा उछली)

निबंध : कला का स्वभाव एवं उद्देश्य, साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया

सहायक पुस्तकें:—

अज्ञेय: आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी — लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अज्ञेय रचनावली : सं० कृष्णदत्त पालीवाल — भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी— नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी — लोकभारती प्रकाशन

अज्ञेय का रचना संसार : सं० गंगाप्रसाद विमल —

अज्ञेय और नयी कविता : सं० चंद्रकला त्रिपाठी — संजय बुक सेंटर, वाराणसी

अज्ञेय: कवि कर्म का संकट : कृष्णदत्त पालीवाल —

अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग : श्रीलाल शुक्ल —

चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ट प्रश्नपत्र

HND-4124 (v)

विशिष्ट रचनाकार

(गजानन माधव 'मुक्तिबोध')

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 20

लिखित : 80

समय : 3 घण्टे

नोट:-

- 1 पूरे पाठ्यक्रम से नौ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
- 2 इकाई 1 एवं 2 से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।

इकाई - 1

नयी कविता आंदोलन और मुक्तिबोध

मुक्तिबोध का काव्य : रचना प्रक्रिया में यथार्थ और फैंटेसी

मुक्तिबोध का साहित्य दर्शन और नयी कविता का आत्मसंघर्ष

इकाई - 2

काव्यानुभूति

लम्बी कविताएं

मुक्तिबोध का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

मुक्तिबोध का काव्य - शिल्प एवं भाषा

इकाई - 3

प्रतिनिधि कविताएं : अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस, भूल गलती, चाँद कर मुँह टेढा है, कहने दो जो कहते है।

इकाई - 4

प्रतिनिधि कहानियाँ : मुक्तिबोध - सं० रोहिणी अग्रवाल - राजकमल प्रकाशन

ब्रह्मराक्षस का शिष्य, काठ का सपना, क्लाड ईथरली, विपात्र, समझौता

निबंध - मध्ययुगीन भक्ति आंदोलनों के विविध पहलू, तीसरा क्षण, नयी कविता का आत्मसंघर्ष,

कामायनी एक फैंटेसी, वस्तु ओर रूप

सहायक पुस्तकें :-

कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग : रोहिणी अग्रवाल – वाणी प्रकाशन दिल्ली
मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया : अशोक चक्रधर – मैकमिलन, दिल्ली
मुक्तिबोध: प्रतिबद्ध काव्यकला के प्रतीक : चंचल चौहान – लिपि प्रकाशन, दिल्ली
लम्बी कविताएं: वैचारिक सरोकार : डॉ० बलदेव वंशी – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
नयी कविता : देवराज – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णुचंद्र शर्मा –
मुक्तिबोध रचनावली (1 से 5 खण्ड) – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
माक्सवाद और प्रगतिशील साहित्य : रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

**चतुर्थ सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्नपत्र
संगोष्ठी (Seminar)**

HND-4125

पूर्णांक : 25 अंक

**चतुर्थ सेमेस्टर
अष्टम् प्रश्नपत्र
स्वाध्याय (Self Study Paper)**

HND-4126

पूर्णांक : 25 अंक

